

15/12/21

पञ्चावली चेज डुई इथमार्थ रपरिचयत ।

पञ्चावली के श्रवणोक्तन ई पागा कि मोठ सुभना
अविनाति एतमीसदा ब्राह्मणां चार इथमार्थनी
श्रवणा इथमर्थ करा दी गइ है। इथमार्थनी इथन
निरस्त करणे निषेधन किमा। अतः इथन इथमार्थ
निरस्त की जानी है। पञ्चावली के पन अगार होकर
रागिन रूपसर दीनी

Musik
जिना कलावतर
बांसवाइण (राज.)



593
15/12/21